मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस ने दो मुद्दों को लेकर सौंपा ज्ञापन

- विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश एवं शराब दुकान रहे बंद
- आरोपी को फांसी की सजा की मांग

पानसेमल (नवभारत)। मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार सुनील सिसोदिया को ज्ञापन सौंपा। 2 अलग-अलग मुद्दों पर सौंपे ज्ञापन में मांग की है कि विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित किए जाए तथा शराब दुकान भी बंद रखी जाए।

दूसरे ज्ञापन में रीवा में दिवंगत कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमित कोल की हत्या के आरोपियों को फांसी मिलने की मांग करते हुए उल्लेख किया कि घटना में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो भी आरोपी है। उन पर भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

क्षेत्र के बारिश के बीच कांग्रेस पदाधिकारी एवं समाज के सदस्य वरिष्ठजनों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ये रहे उपस्थित

ज्ञापन सौंपने के दौरान आदिवासी जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोंटा खेड़कर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रवि पाटिल, पीसीसी सदस्य अजय मिश्रा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष लालसिंह पवार, जनपद सदस्य प्रतिनिधि नेवरसिंह सिंगोरिया, गोपाल भंडारी, पप्पु राठौड़, महेश चौहान सहित अन्य उपस्थित रहे।

हाइब्रिड मोड से मिलेगा उर्वरक, नई व्यवस्था लागू

बड़वानी, (नवभारत)। जिले में रासायनिक उर्वरक वितरण को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शासन ने नई व्यवस्था लागू की है। अब किसानों को खाद हाइब्रिड मोड के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

ई-विकास पोर्टल के साथ कागजी पंजी भी संधारित होगा, जिसमें आधार संख्या, मोबाइल नंबर, उपलब्ध कराई गई उर्वरक मात्रा तथा किसानवार जानकारी दर्ज रहेगी। बाद में यही विवरण पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। डबल लॉक केंद्र, एमपी एग्रो नकद विक्रय केंद्र, सेवा सहकारी समितियां तथा निजी विक्रेताओं को समान प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य एक ही व्यक्ति को बार-बार उर्वरक मिलने पर रोक लगाना तथा उपलब्ध भंडार का संतुलित वितरण सुनिश्चित करना है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि बदली व्यवस्था से किसानों की प्रतीक्षा अवधि घटती है या नहीं।

नई व्यवस्था में केंद्र पहुंचने वाले प्रत्येक किसान का रिकॉर्ड देखकर पहले प्राप्त उर्वरक की जानकारी मिलाई जाएगी। इससे दोबारा अनावश्यक वितरण पर रोक लगेगी और अधिक से अधिक पात्र किसानों तक उपलब्ध भंडार पहुंच सकेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित मानकों के अनुसार ही उर्वरक दिया जाएगा। एक बार में फसल की आवश्यकता के अनुरूप मात्रा उपलब्ध कराई जाएगी। पहले से ई-टोकन लेने वाले किसानों को प्राथमिकता मिलेगी, जबकि बिना ई-टोकन आने वालों को भी नियमानुसार सुविधा प्रदान की जाएगी।

जिले में एक अप्रैल से ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण हो रहा था। अब शासन ने उसमें आंशिक परिवर्तन किया है। 30 जुलाई तक वितरित सामग्री का पूर्व रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। इसके बाद किसानवार अलग पंजी तैयार होगी, जिसमें यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी तथा एमओपी की मात्रा पृथक दर्ज रहेगी। संबंधित विक्रेताओं को यह समस्त जानकारी बाद में पोर्टल पर भी अद्यतन करना अनिवार्य होगा।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपसंचालक कैलाश वास्केल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में रासायनिक उर्वरक हाइब्रिड मोड से वितरित किया जाएगा। ई-टोकन धारकों सहित अन्य पात्र किसानों को भी निर्धारित मापदंड और फसल की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक वितरण का रिकॉर्ड पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा।

वितरण केंद्रों पर होगी व्यवस्था की वास्तविक परीक्षा

उर्वरक उपलब्धता को लेकर किसानों की परेशानी पहले भी सामने आती रही है। ऐसे में नई प्रक्रिया की सफलता केंद्रों पर सुचारु संचालन और पर्याप्त भंडार पर निर्भर रहेगी। केवल अभिलेख संधारण से समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि समयबद्ध वितरण भी आवश्यक रहेगा। कृषि विभाग ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी किसान को अनावश्यक असुविधा न हो तथा पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित की जाए। आने वाले दिनों में कतार और प्रतीक्षा समय इस व्यवस्था की प्रभावशीलता तय करेंगे।

करंट लगने से नप कर्मचारी की मौत

निवाली, (नवभारत)। स्थानीय नगर परिषद में ड्राइवर पद पर पदस्थ 45 वर्षीय कर्मचारी अमजद खान पिता नसरा खान निवासी निवाली की सोमवार शाम करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उनके घर पर उस समय हुआ, जब वे नल से पानी भरने के लिए मोटर लगा रहे थे। घटना से नगर परिषद परिवार, परिजनों और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

नल से पानी भरने की तैयारी के दौरान हुआ हादसा

परिजनों के अनुसार सोमवार शाम करीब 4.30 बजे कस्बे में नल जलापूर्ति शुरू हुई थी। घर में पानी भरने के लिए अमजद खान इलेक्ट्रिक मोटर

लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक वे बिजली के तेज करंट की चपेट में आ गए।

करंट लगते ही मौके पर हुए अचेत

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करंट का झटका इतना तेज था कि अमजद खान मौके पर ही अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। घर से चीख-पुकार सुनकर परिजन और आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्हें गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवाली ले जाया गया।

डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद अमजद खान को बचाया नहीं जा सका। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सहकर्मियों और नगरवासियों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

अर्चक पुरोहित संपर्क विभाग प्रांत टोली सदस्य मनोनित

पानसेमल, (नवभारत)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की प्रांत बैठक उज्जैन में संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम, प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव, प्रांत अध्यक्ष मुकेश जैन, प्रांत उपाध्यक्ष डॉ माला ठाकुर, प्रांत मंत्री विनोद शर्मा की उपस्थिति में वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। संगठन के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष स्व अशोक सिंगल की जन्म शताब्दी वर्ष, संत श्री रविदासजी की 650वीं जन्म शताब्दी वर्ष सहित अन्य कार्यक्रमों को विशेष रूप से मनाए जाने के लिए चर्चा की।

बैठक में संगठन द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों की समीक्षा कर आगे की गतिविधियों के लिए कार्ययोजना बनाई। सेंधवा जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष दत्तात्रेय देवरे, जिला मंत्री रविंद्र मराठे, जिला संयोजक आनंद शर्मा का नियोजन किया है। इनके नियोजन पर विभाग संगठन मंत्री वासुदेव पंड्या, जिलाध्यक्ष विष्णु गोयल, विभाग मंत्री मनोज वर्मा, विभाग सह मंत्री डॉ ललितसिंह तंवर, विभाग संयोजक जितेंद्र राठौड़ सहित संगठन के पानसेमल, निवाली, सेंधवा सहित अन्य प्रखंडों, जिला पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष गिरवर दयाल शर्मा को मठ मंदिर अर्चक पुरोहित सम्पर्क विभाग की प्रांत टोली का सदस्य मनोनित किया है। उनकी नियुक्ति पर सभी में शुभकामनाएं दी।

जनसुनवाई में एसपी सुनी आमजनों की समस्याएं

बड़वानी। एसपी पद्मविलोचन शुक्ल के नेतृत्व में मंगलवार को जनसुनवाई हुई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित जिले के सभी थाना परिसरों में हुई जनसुनवाई में लोगों ने समस्याएं बताईं। एसपी ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ऑफिस में जनसुनवाई के दौरान 5 शिकायतें आई।

एसपी शुक्ल ने कहा कि हर शिकायत का निष्पक्ष एवं प्रभावी निराकरण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता

है। इस दौरान एएसपी धीरज बब्बर, शिकायत शाखा निरीक्षक विनोद बघेल, निरीक्षक सुनीता मंडलोई सहित अन्य उपस्थित रहे।

झाबुआ-आलीराजपुर

एक नजर में
पीएम योजना के आवासों की जिला स्तर पर समीक्षा

आलीराजपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत तृतीय किश्त प्राप्त होने के 45 दिवस बाद भी अपूर्ण पड़े आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत कार्यालय में 3 एवं 4 अगस्त को जिला स्तरीय हितग्राही पेशी एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संघमित्रा गौतम ने 925 अपूर्ण आवासों के हितग्राहियों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान ऐसे हितग्राहियों को सख्त निर्देश दिए गए जिन्होंने जानबूझकर अथवा उदासीनता के कारण आवास निर्माण पूर्ण नहीं किया या तृतीय किश्त की राशि का अन्य कार्यों में उपयोग किया गया। जिन आवासों का निर्माण वर्षाकाल में पूरा किया जा सकता है, उन्हें एक से दो माह की समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वहीं जिन स्थानों पर फसल अथवा मार्ग अवरुद्ध होने के कारण निर्माण सामग्री नहीं पहुंच पा रही है, ऐसे हितग्राहियों को फसल कटाई के बाद नवंबर-दिसंबर तक आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कई हितग्राहियों ने एक माह के भीतर छत डालकर शेष कार्य पूर्ण करने का आश्वासन भी दिया। बैठक में समग्र ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिन ग्राम पंचायतों में समग्र ई-केवाईसी एवं आवास निर्माण दोनों की प्रगति अत्यंत कम पाई गई, वहां के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों का जुलाई 2026 का वेतन एवं पारिश्रमिक प्रगति में सुधार होने तक रोकने के निर्देश दिए गए। साथ ही बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के बैठक से अनुपस्थित रहे 33 सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों का एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए।

ग्रामीण बोला- बेटी का आधार कार्ड वर्षों से नहीं हो पा रहा अपडेट

कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई में आए 36 आवेदक

आलीराजपुर। कलेक्टर कार्यालय परिसर में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर नीतू माथुर ने आमजन की शिकायतें सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए।

जानकारी अनुसार जनसुनवाई में गुड्डू जमरा निवासी ग्राम छोटागुडा, तहसील जोबट ने बताया कि मेरी पुत्री शिवानी जमरा, जो वर्तमान में हाई स्कूल उबलड़ में कक्षा 9वीं की छात्रा है, जिसका आधार कार्ड तकनीकी कारणों से अपडेट नहीं हो पा रहा है। कई बार संबंधित आधार सेवा केंद्र पर प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान आज दिनांक तक नहीं हुआ। आधार अपडेट नहीं होने के कारण मेरी पुत्री को विद्यालयी कार्य, छात्रवृत्ति, परीक्षा एवं अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, मेरी पुत्री का आधार कार्ड शीघ्र अपडेट करवाया जाए। एक अन्य आवेदन रमेश पिता खुमसिंह निवासी चिचलगोडा, तहसील एवं जिला आलीराजपुर निवासी ने बताया कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में जन्मतिथि 10 मई 2016 तथा नाम राजू दर्ज है, जबकि जन्म प्रमाण पत्र में जन्मतिथि 10 फरवरी 2016 एवं नाम राजु अंकित है। जन्मतिथि में त्रुटि होने के कारण मेरे पुत्र को विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक कार्यों में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रेशमबाई निवासी रावत फलिया तहसील जोबट ने पेंशन दिलाने व प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में आवेदन दिया उन्होंने बताया कि मेरे पति का आकस्मिक निधन हो गया था। इसके उपरान्त मेरे परिवार का पालन पोषण मेरे द्वारा ही किया जाता हैं मेरी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है जिससे में पक्का मकान बनाने में असमर्थ हु मुझे शासन की योजना अनुसार पेंशन स्वीकृत करवायी जाए व आवास योजना का लाभ भी दिलवाया जाए। जिससे मेरे बच्चों की पढ़ाई करवा सकूं। कलेक्टर माथुर ने उक्त आवेदनों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आर्थिक सहायता, जमीन विवाद, कब्जा, हैण्डपंप खनन जैसी समस्याओं से जुड़े आवेदन मिले। अपर कलेक्टर सोहन कनाश, डिप्टी कलेक्टर निर्मला कलमें सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकालेंगे रैली

झाबुआ। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सर्व संगठन आदिवासी समाज समिति द्वारा विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। जिसमें समिति द्वारा जिला मुख्यालय पर रैली एवं बस स्टैंड पर सभा का आयोजन किया गया है। समिति से जुड़े बेनेडिक्ट डामोर और विजय डामोर ने बताया कि 9 अगस्त को दोपहर 11 बजे से समस्त आदिवासी संगठन से जुड़े पदाधिकारी-सदस्य, समाजजन उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान पर एकत्रित होंगे। यहां से सर्व संगठन आदिवासी समाज समिति के बैनर तले आदिवासी समाजजनों द्वारा उत्साहपूर्वक ढोल-मांदल और पारंपरिक वेशभूषा में भव्य रैली निकाली जाएगी। यह रैली छतरी चौक तिराहा, मेन बाजार, थांदला गेट, रूनवाल बाजार, लक्ष्मीबाई मार्ग, राजवाड़ा से आजाद चौक, मुख्य मार्ग होते हुए बस स्टैंड पहुंचेगी। जहां शाम करीब 4 बजे सभा का आयोजन होगा।

पेटलावद-थांदला रोड पर लोडिंग वाहनों का कब्जा, लोग परेशान

रहवासी और पैदल चलने वालों को हो रही भारी मुश्किलें

पेटलावद। नगर के पेटलावद-थांदला मेन रोड पर लोडिंग और सवारी ढोने वाले वाहनों ने यातायात व्यवस्था बिगाड़ दी है। छोड़ने-लेने वाले वाहनों को भी सड़क पर रुकने के लिए जगह नहीं मिलती। कई बार छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सड़क पार करने में भी परेशानी होती है। भोजनालय संचालक भूपेंद्र राठौड़ ने बताया कि रोजाना वाहन चालकों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद की स्थिति बनती है। इन वाहनों के लिए अलग स्थान तय किया जाना चाहिए।

जानकारी अनुसार नगर के श्रद्धांजलि चौक से थांदला की ओर जाने वाले मार्ग पर सुबह से ही मालवाहक वाहन कतारबद्ध खड़े हो जाते हैं, जिससे आसपास की कॉलोनियों के लोगों का

आवागमन प्रभावित हो रहा है। न्यायालय, नीलकंठ कॉलोनी, दामोदर कॉलोनी और माधव कॉलोनी से मुख्य मार्ग पर निकलने वाले रास्ते इन वाहनों के कारण अक्सर बाधित रहते हैं। स्थानीय रहवासी सरिता राठौड़ ने बताया कि घर के बाहर छोटी दुकान से परिवार का गुजारा होता है, लेकिन सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों और भारी वाहनों के कारण ग्राहकों को भी परेशानी होती है। गौरव कटारिया, महेश राठौड़, भरत मुलेवा, नीलेश यादव और गिरीश जैन सहित अन्य नागरिकों ने प्रशासन से नियमित कार्रवाई कर सड़क को अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग से मुक्त कराने की मांग की है।

एक नजर में
साफ पानी उपलब्ध कराना ग्राम पंचायतों की भी पहली जिम्मेदारी : कलेक्टर नीतू माथुर

ग्रामीण नलजल योजना के संचालन और प्रबंधन पर सरपंच-सचिवों का प्रशिक्षण

आलीराजपुर। कलेक्टर नीतू माथुर के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संघमित्रा गौतम की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में ग्रामीण नलजल योजना के संचालन, संधारण एवं प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, भोपाल तथा मध्य प्रदेश जल निगम, भोपाल के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्ध गोपाल वर्मा ने मध्य प्रदेश पंचायत (ग्रामीण नलजल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन) नियम, 2026 के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह नियम प्रदेश की

सभी ग्राम पंचायतों में लागू होंगे। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों के अधिकार एवं दायित्व, वॉल्व सह पंप ऑपरेटर की भूमिका, जल प्रभार निर्धारण एवं संग्रहण, दंड एवं पेयजल आपूर्ति स्थगन की प्रक्रिया, नियोजन एवं वित्तीय व्यवस्था, नवीन जल कनेक्शन एवं कनेक्शन विच्छेदन, पेयजल गुणवत्ता नियंत्रण सहित अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान पेयजल की गुणवत्ता परीक्षण का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया। इसमें पानी के पीएच, हार्डनेस तथा फ्लोराइड परीक्षण का लाइव डेमोंस्ट्रेशन कर प्रतिभागियों को गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए करें कार्य

कलेक्टर नीतू माथुर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक व्यक्ति तक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना ग्राम पंचायतों का भी प्राथमिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि पेयजल व्यवस्था के साथ-साथ गांवों की स्वच्छता बनाए रखना भी पंचायतों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।उन्होंने सरपंचों एवं सचिवों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें तथा सार्वजनिक स्थानों पर पानी जमा न होने दें। जहां पानी जमा हो, वहां समय-समय पर तेल का छिड़काव कराया जाए ताकि मलेरिया एवं डेंगू के मच्छरों का लार्वा विकसित न हो। उन्होंने कचरे के वैज्ञानिक एवं उचित निस्तारण के लिए भी ग्रामीणों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट-बाजारों में खाद्य सामग्री को ढंककर रखने, स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर तरीके से खाद्य पदार्थों का विक्रय सुनिश्चित कराने तथा खाद्य स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर माथुर ने सभी ग्राम पंचायतों से आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में विकसित होने का अनुरोध करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत भवनों को भी आदर्श स्वरूप प्रदान किया जाए।